गुरु के वचन को मान मेरा भवरा त्याग जगत का लटका

गुरु के वचन को मान मेरा भवरा,
अरे हट जाय जम का खटका मनवा,
त्याग जगत का लटका ए हा।bd।

ममता मार धार धर समता,
परदा हटा रे घट का ए हा,
अरे ममता मार धार धर समता,
परदा हटा रे घट का ए हा,
विर हिमेश नाय तुरंत ही,
विर हिमेश नाय तुरंत ही,
रूप त्याग दे तटका रे मनवा,
त्याग जगत का लटका,
त्याग जगत का लटका ए हा,
गुरु कें वचन को मान मेरा भवरा,
अरे हट जाय जम का खटका मनवा,
त्याग जगत का लटका ए हा।bd।

तज अभिमान भजन कर हरी का,
मिट जाय जमका फटका ए हा,
अरे तज अभिमान भजन कर हरी का,
मिट जाय जमका फटका ए हा,
अरे मन को मार सुधार वचन को,
अरे मन को सुधार वचन को,
इन्द्र दिखाजद जटका रे,
त्याग जगत का लटका,
त्याग जगत का लटका ए हा,
गुरु कें वचन को मान मेरा भवरा,
अरे हट जाय जम का खटका मनवा,
त्याग जगत का लटका ए हा।bd।

जबतक स्वास चले काया मे,
अरे पीव प्रेम का लटका ए हा,
अरे जबतक स्वास चले काया मे,
पीव प्रेम का लटका ए हा,
अरे मान बढाई त्याग करो नित,
अरे मान बढाई त्याग करो नित,
दास त्रिवेणी लटका,

मनवा त्याग जगत का लटका,
त्याग जगत का लटका ए हा,
गुरु कें वचन को मान मेरा भवरा,
अरे हट जाय जम का खटका मनवा,
त्याग जगत का लटका ए हा।bd।

भई निश्चय हो वासना छूटे,
अरे निश्चय होय वासना छूटे,
अरे भेद मिटे घट घट का ए हा,
अरे अमृत अपना रूप लिखे तब,
अरे अमृत अपना रूप लिखे तब,
अमृत ऐसा घटका,
भाईडा त्याग जगत का लटका,
त्याग जगत का लटका ए हा,
गुरु कें वचन को मान मेरा भवरा,
अरे हट जाय जम का खटका मनवा,
त्याग जगत का लटका ए हा।bd।

गुरु के वचन को मान मेरा भवरा,
अरे हट जाय जम का खटका मनवा,
त्याग जगत का लटका ए हा।bd।

गायक – शंकर जी टाक।
प्रेषक – मनीष सीरवी
9640557818

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com